झारखण्ड राज्य में कृषि क्षेत्र पर ओलावृष्टि (Hailstorm) का “प्रभाव आधारित पूर्वानुमान”
(17-03-2024 को जारी पूर्वानुमान पर आधारित)

दिनांक	जिन जिलों के लिए चेतावनी जारी की जा रही है- :
20-03-24 (Day-4)	राज्य के **राँची, लोहरदगा , गुमला, खूंटी ,पूर्वी सिंघभूम, पश्चिमी सिंघभूम, सिमडेगा तथा सरायकेला खरसावाँ** जिलो में कहींकहीं पर- ओलावृष्टि ,गर्जन और तेज़ हवाओं का झोंका अधिकतम गति)30-40 kmph) के साथ वज्रपात की संभावना है।
	राज्य के **पलामू, गढ़वा, चतरा, हज़ारीबाग, कोडरमा, लातेहार , बोकारो, रामगढ देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामतारा, पाकुर तथा साहेबगंज** जिलों में कहीं कहीं पर-गर्जन और तेज़ हवाओं का झोंका अधिकतम गति)30-40 kmph) के साथ वज्रपात की संभावना है।
21-03-24 (Day-5)	राज्य के **राँची, लोहरदगा , गुमला, खूंटी ,पूर्वी सिंघभूम, पश्चिमी सिंघभूम, सिमडेगा तथा सरायकेला खरसावाँ** जिलों में कहींकहीं पर- ओलावृष्टि ,गर्जन और तेज़ हवाओं का झोंका अधिकतम गति)40-50 kmph) के साथ वज्रपात की संभावना है।
	राज्य के **पलामू, गढ़वा, चतरा, हज़ारीबाग, कोडरमा, लातेहार , बोकारो, रामगढ देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामतारा, पाकुर तथा साहेबगंज** जिलों में कहीं कहीं पर-गर्जन और तेज़ हवाओं का झोंका अधिकतम गति)40-50 kmph) के साथ वज्रपात की संभावना है।

ओलावृष्टि से फसल एवं सब्जियों का बचाव

Crop	Impact	Mitigation
फल एवं सब्ज़ियों	आम की फसलों में फूलों का झड़ना। ओलों और भारी वर्षा के कारण सब्जियों का सड़ना। टमाटर में फल और फूल का झड़ना। फलों का चटकना।	खड़ी फसल में रोग के प्रसार को कम करने के लिए गिरे हुए फलों को हटा दें। तैयार फसलों की कटाई जल्द से जल्द कर ले। सब्ज़ियों की नर्सरी को पॉलीहाउस में सुरक्षित रखें या पॉलीथिन से ढँक दें। फलों को सुरक्षित रखने के लिए अगर हो सके तो हैलनेट का उपयोग करें। केले की फसल में फल के गुच्छे को ढक लें।
दलहनी फ़सल	फली का विकास सही से ना होना । फफूंद रोग देखा जा सकता है।	जल निकासी की व्यवस्था करें। कवकीय संक्रमण होने पर फसल की निगरानी करें।
अन्य	तैयार सब्ज़ी या फलों की कटाई कर सुरक्षित स्थानों पर रखें। गन्ने तथा अमरूद के फसलों को रस्सी से बांध लें ताकि फसल गिरे नहीं। सभी खड़ी फसलों में जल निकासी की उचित इंतज़ाम करें।	

	आने वाले 2 दिनों तक किसी भी तरह का छिड़काव ना करें। ओलावृष्टि की बाद क्षतिग्रस्त फसलों में %2यूरिया का छिड़काव करें। छिड़काव मौसम साफ़ होने पर ही करें।
पशुपालन / मधुमक्खी पालन	मवेशियों को खुले में ना छोड़ें। मौसम की स्थिति देख कर ही उन्हें बाहर ले जाएँ। मवेशियों के घर को अच्छी तरह ढक दें। मधुमक्खी के बक्से को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

[गर्जन वज्रपात व आंधी (Thunderstorm, Lightning and Gusty wind) से संभावित प्रभाव और बचाव ।]

- प्रभाव अपेक्षित:
  - आंधी तूफ़ान से वृक्षारोपण, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
  - खुले स्थानों पर वज्रपात लोगों और मवेशियों को घायल कर सकता है।

- कार्रवाई का सुझाव:
  - घर के अंदर रहें, खिड़कियां और दरवाजे बंद करें और यदि संभव हो तो यात्रा से बचें।
  - सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे आश्रय न लें.
  - कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों के सामने न रहें ।
  - विद्युत/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें।
  - तुरंत जलस्रोतों से बाहर निकलें।
  - बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें

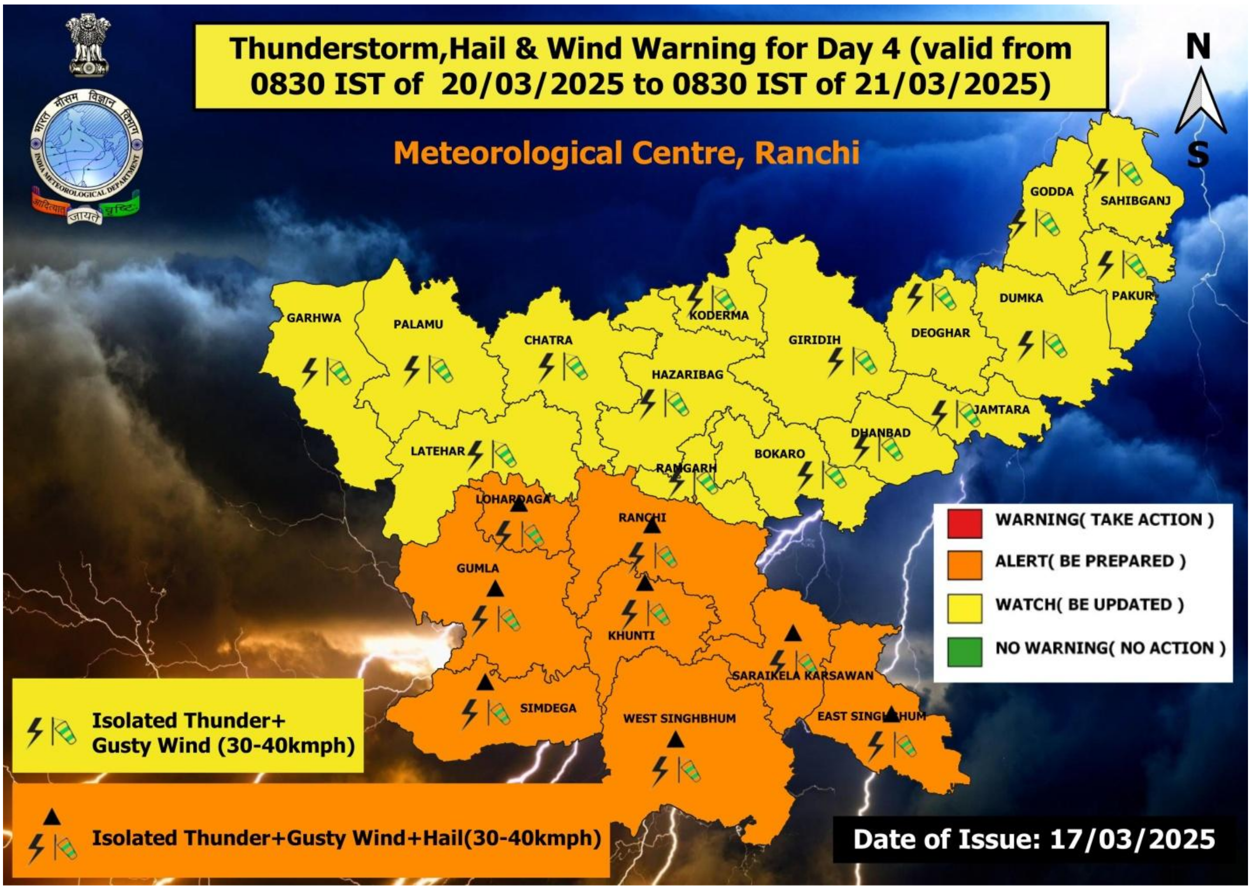

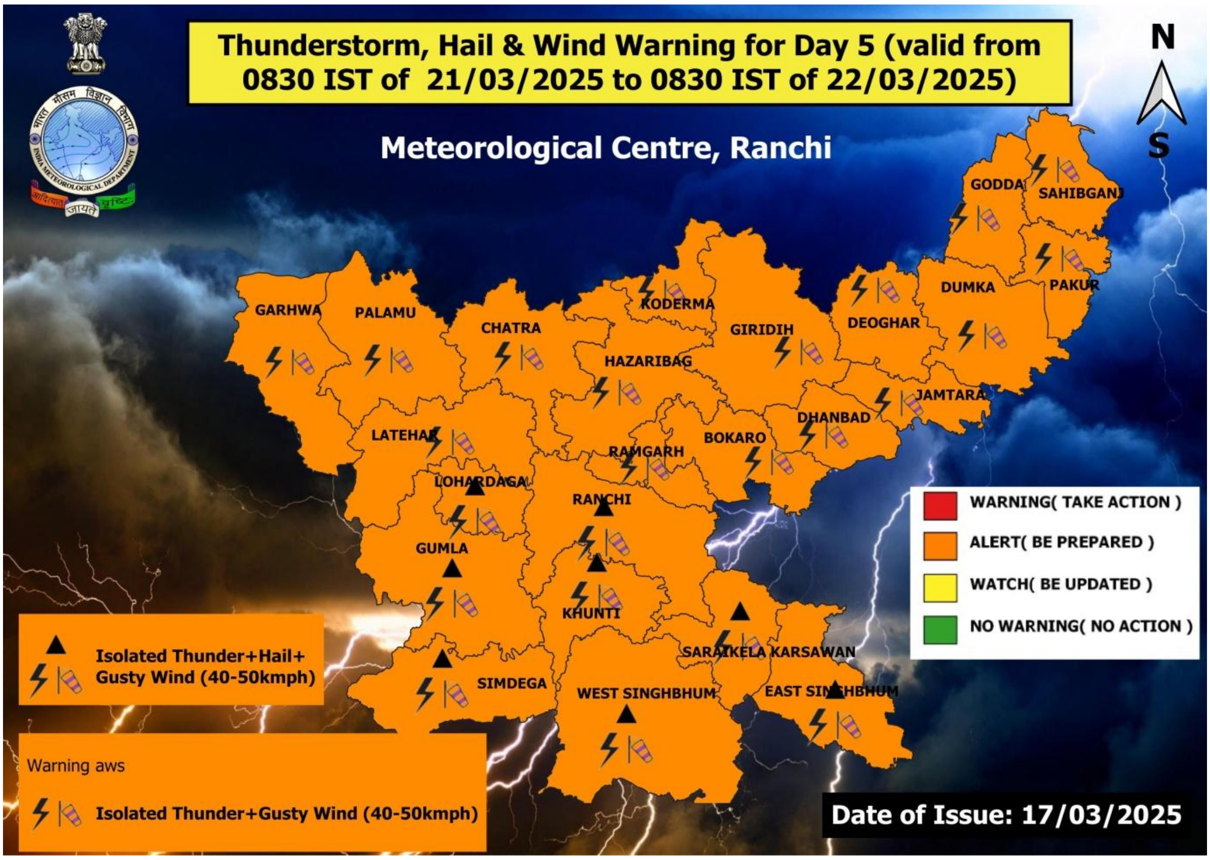

पूर्वानुमान पदाधिकारी

मौसम केंद्र, रांची